राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 229

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 26 जनवरी 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

शुभकामना संदेश

71वां गणतंत्र दिवस हम सभी देशवासियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग-सचेत कर जन-जन में सद्भाव का संचार करे, इस अपेक्षा के साथ आप सबको हार्दिक बधाई।

प्रधान संपादक

दैनिक जागरण

उत्सव गणतंत्र का...

तंत्र के गण

सराही की हर ओर सराहना

यह प्रेरक गाथा उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के छोटे से गांव सराही के लोगों की है, जिन्होंने अपने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण-संवर्द्धन को लेकर जो जज्बा दिखाया, उसकी कीर्ति प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंची। पेज-15

अरुण जेटली, सुषमा और जॉर्ज को पद्म विभूषण सम्मान

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व केंद्रीय मंत्रियों- अरुण जेटली, सुषमा स्वराज और जॉर्ज फर्नांडीज के साथ-साथ मशहूर ओलंपियन मुक्केबाज मेरी कॉम को 71वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म विभूषण सम्मान से नवाजा गया है।

शनिवार को इन नागरिक सम्मानों की घोषणा करते हुए अधिकारियों ने बताया कि इस साल सात प्रमुख हस्तियों को पद्म विभूषण, 16 शख्सियतों को पद्म भूषण और 118 लोगों को पद्मश्री सम्मान के लिए चुना गया है। पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित शख्सियतों में जॉर्ज फर्नांडीज (मरणोपरांत), अरुण जेटली (मरणोपरांत), मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री अनिरुद्ध जगन्नाथ, मेरी कॉम, छन्नू लाल मिश्रा, सुषमा स्वराज (मरणोपरांत) और श्री विश्वेशतीर्थ स्वामी जी श्री पेजावर अधोक्षजा मठ उडुपी (मरणोपरांत)

- मेरी कॉम को भी मिला दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान
- पीवी सिंधु, आनंद महिंद्रा और अनिरुद्ध जगन्नाथ पद्म भूषण से सम्मानित

अरुण जेटली

सुषमा स्वराज

जॉर्ज फर्नांडीज (सभी फाइल)

शामिल हैं। जबकि पद्म भूषण से सम्मानित हस्तियों में एम. मुमताज अली, मुअज्जम अली (मरणोपरांत), मुजफ्फर हुसैन बेग, अजय चक्रवर्ती, मनोज दास, बालकृष्ण दोशी, कृष्णअम्मल जगन्नाथ, नगालैंड के पूर्व मुख्यमंत्री एससी जमीर, उत्तराखंड के जाने-माने पर्यावरणविद और समाजसेवी डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, शेरिंग लैंडल, प्रख्यात उद्योगपति आनंद महिंद्रा, नीलकंठ रामकृष्ण माधव मेनन (मरणोपरांत), पूर्व केंद्रीय मंत्री मनोहर पर्रीकर (मरणोपरांत), प्रो. जगदीश सेठ, ओलंपियन बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन शामिल हैं। जबकि पद्मश्री सम्मान पाने वाली शख्सियतों में अदनान सामी, करण जौहर, कंगना रनौट, एकता कपूर, सुरेश वाडकर, उद्योगपति भरत गोयनका, शूटर जीतू राय और गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह (मरणोपरांत) भी शामिल हैं। मालूम हो कि पद्म विभूषण और पद्म भूषण भारत रत्न के बाद देश के क्रमशः दूसरे और तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान हैं।

पद्मश्री पाने वालों में कई गुमनाम नायक पेज>>5

जम्मू-कश्मीर पुलिस को 108 वीरता पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसियां : गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 409 वीरता पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। यह पुरस्कार पाने वालों में हिजबुल मुजाहिदीन के पोस्टर ब्वॉय बुरहान वानी को मार गिराने वाले जांबाज अधिकारी अब्दुल जब्बार भी शामिल हैं। 2008 बैच के आइपीएस अधिकारी अब्दुल जब्बार तब अनंतनाग जिले के एसएसपी थे। मूलरूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वाले जब्बार ने पुलिस टीम के साथ आठ जुलाई, 2016 को मुठभेड़ में वानी को मार गिराया था। बाद में उन्हें खुफिया ब्यूरो में भेज दिया गया था।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 108 वीरता पुरस्कार मिले हैं।

- गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 409 वीरता पुरस्कारों की घोषणा

कश्मीर घाटी में आतंकवादियों से लड़ाई में अदम्य साहस और वीरता दिखाने वाले पुलिस के जवानों को सम्मानित किया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस को चार में से तीन राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमजी) भी मिले हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस हाल के वर्षों में सबसे ज्यादा वीरता पदक पाने वाली पहली पुलिस बल बन गई है। बता दें कि हाल ही में जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था।

सीआरपीएफ को 76 वीरता पदक पेज>>5

राष्ट्र के नाम संबोधन ▸ 71वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की नसीहत

हिंसा से नहीं मिलता कोई लक्ष्य

कहा, हम लोकतांत्रिक आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध रहें, यही विकास का उत्तम मार्ग

नई दिल्ली, एजेंसियां : नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर मचे बवाल के बीच राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 71वें गणतंत्र दिवस के मौके पर देश के लोगों, खासकर युवाओं को नसीहत दी है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि किसी मुद्दे को लेकर आंदोलन में अहिंसा के रास्ते पर चलना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंसा से कभी कोई लक्ष्य हासिल नहीं होता।

हालांकि, शनिवार को शाम 7 बजे राष्ट्रपति कोविंद ने देशवासियों को संबोधित करते हुए सीएए का जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि संविधान के मुताबिक धरना, प्रदर्शन और आंदोलन करने का सबको हक है। संविधान के मुताबिक चलकर ही सामाजिक और आर्थिक विकास के लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। किसी भी उद्देश्य के लिए संघर्ष करने वाले लोगों, विशेष रूप से युवाओं को, महात्मा गांधी के अहिंसा के मंत्र को सदैव याद रखना चाहिए, जो कि मानवता को उनका अमूल्य उपहार है।

राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि हमारे संविधान ने हम सब को एक स्वाधीन लोकतंत्र के नागरिक के रूप में कुछ अधिकार प्रदान किए हैं। लेकिन संविधान के अंतर्गत ही, हम सब की जिम्मेदारी भी तय है कि हम न्याय, स्वतंत्रता व समानता तथा भाईचारे के मूलभूत लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता एवं प्रतिपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। राजनीतिक विचारों की अभिव्यक्ति के साथ-साथ, देश के समग्र विकास और सभी देशवासियों के कल्याण के लिए दोनों को मिल-जुलकर आगे बढ़ना चाहिए।

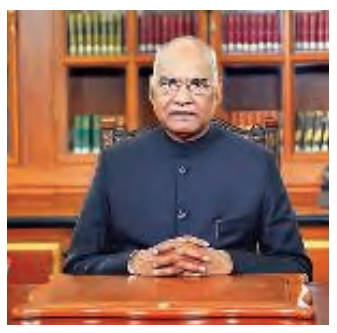

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र के नाम संबोधन के दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद। एएनआइ

मौजूदा दशक युवाओं का : राष्ट्रपति ने युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि इस शताब्दी में जन्मे युवा, बढ़-चढ़ कर, राष्ट्रीय विचार-प्रवाह में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। मुझे, इन युवाओं में, एक उभरते हुए नए भारत की झलक दिखाई देती है। 21वीं सदी का तीसरा दशक युवाओं का होगा। राष्ट्र निर्माण के लिए, महात्मा गांधी के विचार आज भी पूरी तरह से प्रासंगिक हैं. सत्य और अहिंसा का उनका संदेश हमारे आज के समय में और भी अधिक आवश्यक हो गया है।

अभियान को लोगों ने जन आंदोलन बनाया : राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि मोदी सरकार ने जनकल्याण के लिए कई अभियान चलाएं। आम लोगों ने इन अभियानों में भाग लेकर उन्हें जन आंदोलन का रूप दिया है। आम लोगों की भागीदारी के कारण 'स्वच्छ भारत अभियान' को बहुत ही कम समय में प्रभावशाली सफलता मिली है। 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत आठ करोड़ लाभार्थियों तक साफ ईंधन पहुंचा है। इसके तहत इन लाभार्थियों को रसोई गैस दिए गए हैं। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना और आयुष्मान भारत योजना के जरिए जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई गई हैं। 14 करोड़ से अधिक किसानों को 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' का लाभ मिला है। इससे हमारे अन्नदाता प्रति वर्ष छह हजार रुपए की न्यूनतम आय प्राप्त करने के हकदार बने हैं।

खास बातें

- 14 करोड़ लोगों को पीएम किसान निधि का लाभ मिला
- जनकल्याण के लिए देश में कई योजनाएं चलाई गई
- उज्ज्वला योजना के तहत जरूरतमंद लोगों तक साफ ईंधन पहुंचा
- स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र पर ध्यान दिया गया
- जीएसटी से एक देश, एक कर, एक बाजार की अवधारणा साकार हुई

जीएसटी की भी सराहना की : मोदी सरकार द्वारा लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इससे 'एक देश, एक कर, एक बाजार' की अवधारणा को साकार रूप मिल सका है। इसी के साथ 'ई-नाम' योजना द्वारा भी 'एक राष्ट्र के लिए एक बाजार' बनाने की प्रक्रिया मजबूत बनाई जा रही है, जिससे किसानों को लाभ पहुंचेगा।

देश के विकास के लिए सतत प्रयासरत : राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश के हर हिस्से के संपूर्ण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। चाहे वह जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हो, पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य हों या हिंद महासागर में स्थित हमारे द्वीप-समूह हों। देश के विकास के लिए एक सुदृढ़ आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का होना भी जरूरी है। इसीलिए सरकार ने आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं।

राष्ट्रपति ने शिक्षा पर दिया जोर : राष्ट्र के नाम संबोधन में राष्ट्रपति ने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में हमारी कई उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। हमारा प्रयास है कि देश का कोई भी बच्चा अथवा युवा, शिक्षा की सुविधा से वंचित न रहे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की उपलब्धियों पर हम सभी देशवासियों को बहुत गर्व है।

भीमा-कोरेगांव मामला एनआइए को सौंपे जाने पर घमासान

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

महाराष्ट्र के यलगार परिषद-भीमा कोरेगांव मामले की जांच अचानक राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के हाथ में जाने से राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने केंद्र के फैसले को संविधान के खिलाफ बताया है। उनका कहना है कि यह फैसला लेने से पहले राज्य सरकार की राय तक नहीं ली गई। वहीं, भाजपा का कहना है कि यह मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक साजिश थी। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि एनआइए मामले की जांच कर रही है और जो भी दोषी होंगे, उन्हें दंडित किया जाएगा। साफ है कि कांग्रेस-राकांपा को जांच एनआइए के हाथ में जाना बिल्कुल हजम नहीं हो रहा है। हालांकि शिवसेना का कोई बड़ा नेता अब तक इस मामले में कोई प्रतिक्रिया देने से बच रहा है।

31 दिसंबर, 2017 को पुणे के शनिवार वाड़ा के बाहर सीपीआइ (एम) के सहयोग से हुए यलगार परिषद के बाद अगले ही दिन पुणे के दूसरे हिस्से में भीमा-कोरेगांव में हिंसा हो गई थी। इसमें एक युवक मारा गया था। पुलिस ने इन दोनों मामलों की अलग-अलग एफआइआर दर्ज की थी। पुणे पुलिस का मानना था कि यलगार परिषद में दिए गए भड़काऊ भाषणों के कारण ही भीमा-कोरेगांव में हिंसा भड़की थी। यलगार परिषद की जांच आगे बढ़ने पर इसके तार नक्सलवादियों से जुड़ते दिखाई दिए और अब तक इस मामले में 17 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। लेकिन गौतम नवलखा और आनंद तेलतुंबड़े की गिरफ्तारी अब भी नहीं हो सकी है। महाराष्ट्र में सरकार बदलने के बाद इस मामले की पुनः जांच की मांग उठने लगी तो राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर यलगार परिषद मामले की पुनः जांच के लिए एसआइटी गठित करने की सिफारिश की। अब अचानक एनआइए द्वारा इस मामले की जांच अपने हाथ में ले लेने से कांग्रेस-राकांपा दोनों स्तब्ध हैं।

- महाराष्ट्र सरकार बोली- फैसला संविधान के खिलाफ, हमारी राय तक नहीं ली गई
- भाजपा ने कहा, भीमा-कोरेगांव मामला पीएम मोदी के खिलाफ साजिश थी

मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार उद्धव ने पवार के पत्र पर कोई टिप्पणी नहीं लिखी है। इसके बावजूद उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और गृह मंत्री अनिल देशमुख ने पुलिस महानिदेशक सुबोध जायसवाल, पुणे के पुलिस आयुक्त वेंकटेश्वरम् और इस मामले की जांच करने वाले तत्कालीन संयुक्त पुलिस आयुक्त रवींद्र कदम को मंत्रालय बुलाकर जानकारी ली। बताया जाता है कि इन अफसरों ने दोनों को बताया कि पुणे पुलिस द्वारा की गई जांच बिल्कुल सही थी। सभी आरोपितों के विरुद्ध पक्के सुबूत भी हासिल हुए हैं। ऐसे मौके पर, जबकि आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका हो, यह मामला राज्य की ही किसी दूसरी एजेंसी को सौंपना उचित नहीं होगा।

अफसरों ने मंत्रियों को अदालत के निर्देशों की दी जानकारी पेज>>6

रविवार विशेष

हैलो-हाय छोड़िये, जय हिंद बोलिये, अरुणाचल से सीखिये

कोलकाता : पीएम मोदी ने हाल ही में 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश की एक प्रेरक विशेषता का जिक्र किया था। यह जिक्र वह इससे पहले 2015 और फिर 2018 में भी कर चुके थे। पड़ताल के लिए हमने अरुणाचल का रुख किया। मोदी जी ने सच कहा था...। (पेज-5)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

नेपाल ने भारत व पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की

काठमांडू : भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के लिए नेपाल ने शनिवार को कश्मीर और सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश की है। परमाणु शक्ति संपन्न दोनों पड़ोसियों के बीच मध्यस्थता की पेशकश करने वाला नेपाल पहला दक्षिण एशियाई देश है।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 6

कश्मीर में मुठभेड, जैश कमांडर कारी सहित तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर : गणतंत्र दिवस पर घाटी में एक बड़े आत्मघाती हमले की साजिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम बना दिया। दक्षिण कश्मीर के त्राल में शनिवार को 11 घंटे तक चली एक भीषण मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मुहम्मद के कुख्यात कमांडर कारी यासिर समेत तीन आतंकियों को ढेर कर दिया।

विश्व कप की तैयारी

दूसरा टी-20	दोपहर 12:20 बजे से
भारत vs न्यूजीलैंड	स्थान : ऑकलैंड
	प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

दिल्ली में कोचिंग सेंटर की छत गिरी, चार की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में भजनपुरा इलाके में एक कोचिंग सेंटर की छत गिरने से अंदर पढ़ाई कर रहे तीन बच्चों और एक शिक्षक की मौत हो गई। इमारत की तीसरी मंजिल निर्माणाधीन थी और लेंटर पड़ा हुआ था। इस दौरान लेंटर भरभराकर ढह गया जिस कारण दूसरी मंजिल की छत भी गिर गई। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुभाष मोहल्ला के गली नंबर-6 में दो भाई हरिशंकर और उमेश अपने मकान में ही एजुकेशनल प्वाइंट के नाम से कोचिंग सेंटर चला रहे थे। इसमें पहली से बारहवीं तक के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाया जाता था। इस दो मंजिला मकान के ऊपर तीसरी मंजिल पर कमरा बनाया जा रहा था। दूसरी मंजिल की छत गाटर और पट्टियों पर होने के कारण कमजोर थी। शनिवार अपराह्न करीब चार बजे अचानक निर्माणाधीन कमरा गिर पड़ा। गाटर और पट्टियों पर टिकी छत वजन नहीं संभाल पाई और आ गिरी। दूसरी मंजिल के कमरे में पढ़ाई कर रहे करीब 11 बच्चे और दो शिक्षक इसकी चपेट में आ गए। मलबा गिरने की आवाज हुई तो स्थानीय लोग मदद के लिए भागे। मलबे में दबे बच्चों को निकालने का काम शुरू किया गया। इस दौरान भी ऊपर से ईंटें गिर रही थीं। पुलिस के साथ दमकल विभाग, जिला आपदा प्रबंधन और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं। एंबुलेंस से सभी लोगों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन बच्चों और एक शिक्षक को मृत घोषित कर दिया गया। शिक्षक की पहचान उमेश उर्फ बल्ली (30) और बच्चों की पहचान दिशु (14), कृष्णा (12) और फुरकान (6) के रूप में हुई है। पांच बच्चों का इलाज चल रहा है।

- पहली से बारहवीं तक के बच्चों को पढ़ाया जाता था ट्यूशन
- मृतकों में एक शिक्षक भी शामिल, पांच बच्चों का चल रहा इलाज

40 साल पुराना है मकान

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मकान करीब 40 पुराना है। पहले एक मंजिला था। बाद में इस पर दूसरी मंजिल तैयार की गई। इसकी छत गाटर और पट्टियों से बनी थी, जो मजबूत नहीं होती है।

जेएनयू के छात्र ने कहा, असम को अलग कर देंगे

जागरण संवाददाता, अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्र आंदोलन के दौरान विवादित बयान देने का जेएनयू नेता छात्र शरजील इमाम का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें शरजील देश को तोड़ने की धमकी देते हुए कह रहा है, 'हमारे पास संगठित लोग हों तो हिंदुस्तान को असम से अलग कर सकते हैं। असम को काटना हमारी जिम्मेदारी है। असम व हिंदुस्तान अलग हो जाएंगे, तभी ये हमारी बात सुनेंगे।'

पुलिस ने छात्र पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज किया है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए टीम दिल्ली रवाना हो गई है। नागरिकता संशोधन कानून लागू होने के बाद अलीगढ़ में देशद्रोह का पहला केस दर्ज हुआ है। एसएसपी आकाश कुलहरि ने शनिवार को मीडिया को बताया कि दो दिन से सोशल मीडिया पर यह वीडियो ट्रेंड कर रहा है। 1.18 मिनट का यह वीडियो जेएनयू से पीएचडी कर चुके शरजील इमाम का है। पहले वीडियो को शाहीन बाग (दिल्ली) का माना जा रहा था। वीडियो की पुलिस ने जांच की तो पता चला कि बयान एएमयू में 16 जनवरी को दिया गया था। खुफिया विभाग व एएमयू प्रशासन ने भी शरजील के बयान की पुष्टि की है। शरजील ने ही बयान को वीडियो को फेसबुक पर वायरल किया है। वीडियो में छात्र नेता असम को लेकर विवादित बयान देते नजर आ रहा है। ट्विटर पर भी शेयर किया है। वीडियो में दिए गए बयान को राष्ट्रविरोधी मानते हुए इंस्पेक्टर सिविल लाइन अमित कुमार ने शरजील के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया है।

भाजपा बोली, रची जा रही देश बांटने की साजिश

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : शरजील इमाम का विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि शाहीन बाग में देश को बांटने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया इस वीडियो को शाहीन बाग का बता रहा है, जिस पर भरोसा किया जाना चाहिए। इसमें एक व्यक्ति मुस्लिमों से असम को देश से अलग करने का आह्वान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून के नाम पर दिए जा रहे धरने में देशविरोधी साजिश रची जा रही है।

बदला रंग

अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहले गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर उल्लास का माहौल, केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद पहले समारोह में दिखेगी मजबूत लोकतंत्र की धमक

नए जम्मू-कश्मीर में दिखेगा गणतंत्र का दम

रोहित जंडियाल, जम्मू

इस बार जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ पूरे देश के लिए गणतंत्र दिवस के मायने कुछ खास हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की बेड़ियां हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद अब पूरे देश में एक निशान-एक संविधान लागू हो चुका है। ऐसे में जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ केंद्र शासित लद्दाख में भी पहले गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर चारों ओर उल्लास का माहौल है। हालांकि प्रशासन के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सामान्य होते हालात के बीच लोगों में पूर्ण विश्वास बहाली, आतंक से मुक्ति प्रशासन के एजेंडे में शीर्ष पर हैं।

हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी के आउटरीच प्रोग्राम के तहत सात दिन में 36 केंद्रीय मंत्रियों के जम्मू-कश्मीर में दौरे इसी तरह के कई मोर्चों पर तस्वीर बदलने के उद्देश्य पर आधारित थे। जम्मू-कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह को यादगार बनाने के लिए प्रशासन व स्थानीय लोगों ने खास तैयारी की है। सरकारी समारोह स्थल जम्मू के मौलाना आजाद स्टेडियम और श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम को खास तरह से सजाया गया है। स्थानीय लोग भी हर चौराहे और ऐतिहासिक स्थलों पर तिरंगा फहराने के लिए उत्सुक हैं। कुल मिलाकर 26 जनवरी को पूरे जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की एक नई तस्वीर देखने को मिलेगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए यह गणतंत्र दिवस खास मायने रखता है। पहले भी यहां पर तिरंगा ही फहराया जाता था, लेकिन जम्मू-कश्मीर के अपने संविधान और झंडे की विशेष उपस्थिति रहती थी। लेकिन 31 अक्टूबर के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पूरी तरह भारतीय संविधान प्रभावी है। पहली बार जम्मू-कश्मीर में एक विधान, एक निशान, एक प्रधान का नारा बुलंद हुआ है। देश भक्ति की भावना दोनों ही केंद्र शासित प्रदेशों में मजबूत हुई है। तिरंगे के रंग में जगमग हो रहे जम्मू-कश्मीर के सभी चौक-चौराहे और ऐतिहासिक स्थल गणतंत्र दिवस का उल्लास के साथ स्वागत कर रहे हैं। सभी सरकारी इमारतें, मुबारक मंडी के साथ कई निजी इमारतें भी रोशनी से नहाई हुई हैं।

गणतंत्र दिवस को लेकर गुरुवार को श्रीनगर में हुई फुल ड्रेस रिहर्सल की फाइल फोटो। जागरण

इन चुनौतियों से है निपटना

- आतंक का जड़ से खात्मा और भटके युवाओं को मुख्यधारा में लाना -कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित वापसी, इंटरनेट सेवा की पूर्ण बहाली
- राजनीतिक गतिविधियों में तेजी, लोगों के बीच भरोसे को और मजबूत करना
- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को विकास की कसौटी पर आगे लाना

उपराज्यपाल फहराएंगे तिरंगा पेज>>6
संवैधानिक स्वतंत्रता का मनमाना इस्तेमाल (प्रमुख आलेख) पेज>>8

भाजपा प्रत्याशी कपिल मिश्रा के प्रचार करने पर 48 घंटे तक रोक

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली के शाहीन बाग में चल रहे प्रदर्शन को चुनाव से जोड़कर विवादित ट्वीट करने के मामले में मॉडल टाउन विस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कपिल मिश्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ एक दिन पहले चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज होने के बाद अब 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने पर रोक लगा दी गई है।

चुनाव आयोग के अनुसार, कपिल मिश्रा ने 22 व 23 जनवरी को विवादित बयान दिया, जिसके कारण उनके चुनाव प्रचार करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। कपिल मिश्रा ने ट्वीट में शाहीन बाग को मिनी पाक बताते हुए कहा था कि आठ फरवरी को दिल्ली की सड़कों पर हिंदुस्तान व पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा। इस मामले में चुनाव आयोग ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

कपिल मिश्रा। फाइल

हमने देश का विकास किया अब दिल्ली को चमकाएंगे : शाह

नई दिल्ली : जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार को भाजपा की ओर से आयोजित 'जीत की गूंज' कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आप और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि अब दिल्ली में भी भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। (पेज-2)